मीडिया विज्ञप्ति

भरूच ज़िले के अंकलेश्वर ब्लॉक में 'किशोरी उत्कर्ष पहल' की सफलता है जारी

- यह पहल 10–19 वर्ष की 6704 किशारियों तक पहुंच गई है। अंकलेश्वर ब्लॉक के 59 गांवों की इन किशोरियों में से 5359 स्कूल जाती हैं और 1345 किशोरियां स्कूल नहीं जाती हैं।
- 74 स्कूलों के कुल 69 सरकारी प्राइमरी स्कूल अध्यापकों को मास्टर ट्रेनर्स के रूप में प्रशिक्षित किया गया है, जो स्कूल स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

गुजरात, 15 दिसम्बर, 2023: किशोरी उत्कर्ष पहल किशोरियों को स्वास्थ्य के बारे में जागरूक बनाने एवं लीडरशिप निर्माण की एक पहल है, जिसे भरूच ज़िला प्रशासन द्वारा डीसीएम श्रीराम फाउन्डेशन के सहयोग से भारतकेयर्स (एसएमईसी ट्रस्ट की ओर से) द्वारा संचालित किया जाता है। आपसी सहयोग से संचालित इस परियोजना को आईसीडीएस और ज़िला महिला एवं बाल विकास विभाग, भरूच, ज़िला प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा विभाग, भरूच तथा ज़िला स्वास्थ्य विभाग, भरूच का समर्थन प्राप्त है।

यह पहल स्कूल जाने वाली एवं स्कूल नहीं जाने वाली किशोरियों में महत्वाकांक्षा–निर्माण प्रोग्राम के रूप में संरचित की गई है। यह गांव में रहने वाली उन किशोरियों के समग्र सशक्तीकरण पर ध्यान केन्द्रित करती है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं अन्य सुविधाओं से वंचित हैं। पहले चरण के तहत भरूच ज़िले के झगाड़िया ब्लॉक में 122 गांवों की 4000 से अधिक किशोरियों को गहन प्रशिक्षण दिया गया। इसके तहत तैयार की गई जागृत किशोरियां ग्रामीण स्तर के विकास प्रोग्राम में सक्रिय हैं।

आपसी सहयोग से संचालित इस प्रोग्राम ने हाल ही में एक और उपलब्धि हासिल की है, प्रोग्राम के इम्पलीमेंटिंग पार्टनर भारतकेयर्स ने किशोरी उत्कर्ष पहल को 10–19 वर्ष की 6704 किशारियों तक पहुंचाया है। अंकलेश्वर ब्लॉक की इन किशोरियों में से 5359 स्कूल जाती हैं और 1345 किशोरियां स्कूल नहीं जाती हैं। 74 स्कूलों के कुल 69 सरकारी प्राइमरी स्कूल अध्यापकों को मास्टर ट्रेनर्स के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। इस प्रशिक्षण में छह मोड्यूल्स शाामिल हैं– जो किशोर स्वास्थ्य, माहवारी हाइजीन प्रबन्धन, पोषण, सरकारी योजनाओं एवं प्रोग्रामों के बारे में जानकारी, किशोरियों की कानूनी सुरक्षा एवं अधिकार तथा नेतृत्व विकास को सुनिश्चित करते हैं। इसमें इन–हाउस प्रशिक्षण, एक्सपोज़र विज़िट और क्षमता निर्माण प्रोग्राम भी शामिल हैं। किशोरियों को सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए टीम ने अपने मोड्यूल्स में दो और विषय भी शामिल किए हैं– वित्तीय साक्षरता एवं रोज़ाना के आहार में मिलेट्स का महत्व।

वे किशोरियां जो स्कूल के समय के दौरान सत्र में हिस्सा नहीं ले पातीं, उनकी सुविधानुसार विशेष सत्रों की योजना बनाई गई है। इसके अलावा इस प्रोग्राम की एक और

मुख्य उपलब्धि यह है कि स्कूल नहीं जाने वाली किशोरियों को गुजरात स्टेट ओपन स्कूल (जीएसओएस) के तहत फिर से नामांकित किया गया है।

गहन प्रशिक्षण पूरा होने के बाद किशोरियों का माइक्रो एवं मैक्रो असेसमेन्ट किया जाएगा और हर गांव से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने वाली किशोरी को ग्राम जागृत किशोरी के रूप में पहचाना जाएगा। जो एक्सपोज़र विज़िट एवं गहन प्रशिक्षण में हिस्सा लेंगी ताकि वे लीडर के रूप में विकसित होकर ग्रामीण स्तर पर विकास पहलों में योगदान दे सकें।

About the DCM Shriram Foundation: The DCm Shriram Foundation is promoted by DCM Shriram Ltd. with a view to undertake CSR related activities. DCM Shriram Ltd. is a well-known conglomerate having Pan - India presence.

The foundation runs DCM Shriram Ltd.'s CSR initiatives very seriously and passionately and contributes majorly in making a positive impact in the society. The DCM Shriram Foundation implements programs related to Sanitation, Preventive Healthcare, Education Vocational & Livelihood programs, Environment Sustainability & Rural development across the presence in India.